CSIR in Media

Platinum Jubilee 1942-2016

75 Years of

CSIR Touching Lives

A Daily News Bulletin
23rd June 2017

Produced by Unit for Science Dissemination, CSIR, Anusandhan Bhawan, 2 Rafi Marg, New Delhi

CSIR-NIO inks pact for skill upgradation

CSIR-NIO 23rd June 2017

Goa-based CSIR-National Institute of Oceanography (CSIR-NIO), has signed a memorandum of understanding (MoU) with the Agricultural Skill Council of India (ASCI), through which the two entities will collaborate for capacity-building programmes focused on upgrading local workers' skills in aquaculture and fishery.

The MoU, signed on Wednesday by V S N Murty, acting director, CSIR-NIO and S S Arya, CEO, ASCI, is valid for five years.

ASCI aims to create an ecosystem for quality vocational education in agriculture and allied sectors. CSIR-NIO will support it in developing national occupational standards, curriculum and course content for various segments connected to fishery.

Published in:

TOI

UNI Nav Hind Times

CCMB to host Atal Incubation Centre

CSIR-CCMB 22nd June 2017

The CSIR-Centre for Cellular and Molecular Biology (CCMB) here has been identified as one of the ten organisations in the country to host a Atal Incubation Centre to be supported by NITI Ayog.

The initiative is part of the Atal Innovation Mission set up by Union government to promote innovation and entrepreneurship in the country.

"Two years ago NITI Ayog had advertised this and more than 3,000 organisations had applied. Couple of days back, NITI Ayog announced their final result and only ten organisations have been given this incubation centre. CCMB is one of them," CCMB Director Rakesh K Mishra said here today.

NITI Ayog gives a grant of Rs 10 crore over a period of five years to the non-profit company set up by CCMB and the company should become self-sufficient beyond five years through private funding and other resources, he told PTI.

"It is in our mission to do basic research and seek potential application of that research," Mishra said.

CCMB would offer its scientific expertise, facilities available with it (which would be difficult for start-ups to have) and also business management to the start-ups, he said.

CCMB would also bring in investors on its board, Mishra said. "For a good idea, funding is not a problem," he added.

CCMB would give a maximum time of three years to start-ups to prove themselves and their progress is evaluated every six months, according to Mishra. PTI SJR RS NSK

Published in:

India Today

PTI Business Standard The Wire New Indian Express The Hindu

Hindu Business Line Telangana Today Gk Today

CSIR-NML

23rd June 2017

स्टील इंडस्ट्री में सिरमौर बनने के लिए इनोवेशंस, हाई स्ट्रेन्थ स्टील और नए अलॉयज पर काम करना होगा

केन्द्र सरकार की नई स्टील नीति से भारत में प्रति व्यक्ति स्टील खपत में होगी बढ़ोतरी, विश्व को टक्कर- सुधांशु पाठक

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

टाटा स्टील के वाइस प्रेसीडेंट (स्टील मैनुफैक्चरिंग) सुधांशु पाठक ने कहा कि इस साल जो नई स्टील नीति आई है, उसकी वजह से 2030 तक प्रति व्यक्ति स्टील खपत दुगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विकास की राह पर है और केन्द्र सरकार की नई स्टील नीति की वजह से भारत एशिया में इकोनिक सुपर पावर बनने की ओर अग्रसर है।

पाठक गुरुवार को एनएमएल जमशेदपुर में शुरू हुए दो दिवसीय स्टूडेंट्स सेमिनार बिहाइंड द टीचर्स डेस्क-2017 के उदघाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय स्टील उद्योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बकौल पाठक, भारत का स्टील उद्योग, एशिया और यूरोप के दूसरे देशों से किस तरह से अलग है। उन्होंने स्टील इंडस्ट्री में भारत को सिरमौर बनाने के लिए सस्टनेबिलिटी, सेफ्टी और इन्वॉयरमेंट पर जोर दिया और कहा कि देश में ऊर्जा खपत के इनोवेटिव सॉल्यूशन्स के साथ ही हाई स्ट्रेन्थ स्टील और नए अयस्क बनाने पर काफी काम करना होगा।

एनएमएल जमशेदपुर में दो दिवसीय बिहाइंड द टीचर्स डेस्क का शुभारंभ

सुधांशु पाठक ने एनएमएल की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसकी उपयोगिता को देखते हुए टाटा स्टील ने इस समारोह को पूरा सहयोग देने का फैसला लिया है। इस सेमिनार में भाग लेने वाले इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को एकेडमिया, इंडस्ट्री और रिसर्च एंड डेवलेपमेंट के विशेषज्ञों से मिलने का अवसर मिलेगा। एनएमएल के निदेशक डॉ. इंद्रनील चट्टोराज ने मेटलर्जी में इनोवेशन पर जोर दिया। उन्होंने भारत में मेटलर्जी की समृद्ध विरासत की जानकारी दी और बताया कि टीपू सुल्तान की तलवार और कुतुबमीनार का लौह स्तम्भ भारतीय धातुकर्म की समृद्ध विरासत की मिसाल पेश करती है।

इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार ने इस दो दिवसीय सेमिनार के बारे में जानकारी दी। समारोह को आईआईएम जमशेदपुर के सेक्रेटरी डॉ. एएन भगत, डॉ. जीके मंडल ने भी संबोधित किया। समारोह में देश के 32 इंजीनियरिंग कॉलेज के 80 स्टूडेंट्स भाग ले रहे हैं। मौके पर डॉ. एस. तरफदार, डॉ. एम तरफदार और डॉ. केएल साहू भी मौजूद थे।

Published in:

Dainik Bhaskar, Page 2